



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 18 दिसम्बर, 2001/27 अप्रहायण, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग

आदेश

शिमला-171002, 28 नवम्बर, 2001।

संख्या एफ० डी० एस०-ए० (३) 19/2001.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की यह राय है कि चावल की आपूर्ति को बनाये रखने के लिये और इसके साम्य सम्पूर्ण वितरण और उचित मूल्य पर इसकी उपलब्धता को सुनिश्चित करना आवश्यक और समीचीन है ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत सरकार, कृषि मन्त्रालय (खाद्य विभाग) आदेश संख्या : सा० का० नि०-800, तारीख 9 जून, 1978 और सा० का० नि०-452 (ई०) तारीख 25 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार की पूर्व सहमति से एतद्वारा निम्नलिखित आदेश बताते हैं अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.—(क) इस आदेश का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश चावल प्राप्ति (उद्ग्रहण) आदेश, 2001 है ।

(ख) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश राज्य पर है ।

(ग) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

2. परिभाषाएँ .—इस आदेश में, जब तक सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) “रुद्धिगत कुटाई” से नकद या वस्तु रूप में कुटाई प्रभार का संदाय कर मिल मालिक से असम्बद्ध धान की, उसकी मिल में, चावल प्राप्त करने के लिए कटाई अभिप्रेत है ;
- (ख) “निदेशक” से निदेशक खाद्य एवं आपूर्ति, हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत संयुक्त निदेशक, उप-निदेशक खाद्य एवं आपूर्ति, हिमाचल प्रदेश और सरकार द्वारा इस आदेश के समस्त या किन्हीं उपबन्धों को लागू कराने के लिए प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी भी है ;
- (ग) “प्रवर्तन अधिकारी” से निदेशक अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी है जो निरीक्षक खाद्य एवं आपूर्ति की पंक्ति से नीचे का न हो ;
- (घ) “खाद्य निगम” से, खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37), की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय खाद्य निगम अभिप्रेत है ;
- (ङ) “सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है ;
- (च) “अनुज्ञापत्र व्यौहारी” से हिमाचल प्रदेश ट्रेड आर्टिकलज (लाईसेंसिंग एण्ड कन्ट्रोल) आर्डर, 1981 के अधीन वैद्य अनुज्ञापत्र रखने वाला कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;
- (छ) “विपणन मौसम” से, प्रत्येक वर्ष 16 सितम्बर से आगामी वर्ष के 15 सितम्बर तक की अवधि अभिप्रेत है ;
- (ज) “धान और चावल” से ऋमण: अनुसूची-I तथा अनुसूची-II में विहित धान तथा चावल की किसमें अभिप्रेत है ;
- (झ) “अनुज्ञा-पत्र” से निदेशक द्वारा मिल मालिक को धान की रुद्धिगत कुटाई करने के लिए जारी अनुज्ञा-पत्र अभिप्रेत है ;
- (ञ) “प्राप्ति कीमत” से सरकार द्वारा समय-समय पर केन्द्र सरकार की पूर्व सहमति से यथानियत अनुसूची-IV में दिए विनिर्देशों के अनुसार चावल की विभिन्न किस्मों के लिए अनुसूची-III, में विनिर्दिष्ट कीमत अभिप्रेत है ;
- (ट) “क्रय अधिकारी” से निदेशक अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत अपनी-अपनी अधिकारिता में जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक, जिला खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक अथवा सरकार द्वारा चावल मिल मालिकों/व्यौहारियों से चावल क्रय करने के लिए नियुक्त कोई अन्य अधिकारी/अभिकरण भी है ;
- (ठ) “चावल मिल” से अभिप्रेत है वह संयन्त्र तथा मशीनरी जिससे, और अपनी परिसीमाओं सहित वह परिसर जिसमें या जिसके किसी भाग में धान कुटाई का काम किया जाता है ;
- (ड) “चावल मिल मालिक” से मिल का स्वामी या अन्य कोई भार साधक व्यक्ति या प्राधिकारी अभिप्रेत है जिसका ऐसी मिल के कामकाज पर अन्तिम नियन्त्रण है और जहां ऐसे कामकाज किसी प्रबन्धक, प्रबन्ध निदेशक, प्रबन्ध अभिकर्ता को सौंपे जाते हैं तो हिमाचल प्रदेश ट्रेड आर्टिकलज (लाईसेंसिंग एण्ड कन्ट्रोल) आर्डर, 1981 के अधीन विधिमान्य अनुज्ञापत्र रखने वाला ऐसा प्रन्थक, प्रबन्ध निदेश या प्रबन्ध अधिकर्ता उसका स्वामी समझा जायेगा ;
- (ढ) “अनुसूची” से इस आदेश से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ; और
- (ण) “विनिर्देश” से अनुसूची-IV में चावल के लिए विहित विनिर्देश अभिप्रेत है ।

3. अनुज्ञापत्र मिल मालिकों पर उद्घाटन.—(1) प्रत्येक मिल मालिक क्रय अधिकारी या ऐसे अभिकरण को जिसे सरकार द्वारा इस नियमित नियुक्त किया जा सकेगा प्राप्ति मूल्यों पर किसी भी किसमें विनिर्देशों के

अनुरूपतः चावल के पच्चास प्रतिशत तक इस आदेश के प्रारम्भ की तारीख को उसके द्वारा रखे भण्डार में से और ऐसी प्रतिशतता को जो सरकार द्वारा केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जा सकेगी, निम्नलिखित रूप में परिदृष्ट करेगा :—

(क) विनिर्देश के अनुरूप उस द्वारा रखे या प्राप्त किए धान के भण्डार में से प्रतिदिन कुटे गए चावल की कुल मात्रा, और

(ख) निविर्देशों के अनुरूप उसके द्वारा उद्ग्रहण मुक्त चावल के अतिरिक्त बरीदी गई या अन्यथा प्राप्त की गई चावल की कुल मात्रा ;

(2) (क) कोई मिल मालिक अपने भण्डार में रखे धान को किसी भी मात्रा को किसी व्यौहारी को न तो बेचेगा और न ही उसका अन्तरण करेगा ;

(ख) कोई भी मिल मालिक अपने धान के भण्डार में रखे धान की किसी भी मात्रा का जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक को लिखित रूप में सूचना दिए विना किसी अन्य मिल मालिक को अन्तरण नहीं करेगा ।

4. अनुज्ञात व्यौहारियों पर उद्ग्रहण.—प्रत्येक अनुज्ञात व्यौहारी, क्रय अधिकारी या किसी ऐसे अभिकरण को जिसे सरकार द्वारा इस निमित नियुक्त किया जा सकेगा, प्राप्ति मूल्य पर किसी भी किसी में विनिर्देशों के अनुरूप चावल के पच्चास प्रतिशत तक अथवा ऐसी प्रतिशतता का जो सरकार द्वारा केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति से समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जा सकेगी, निम्नलिखित रूप में परिदृष्ट करेगा ;

(क) विनिर्देश के अनुरूप उसके द्वारा रखी या प्राप्त किये गए धान के भण्डार में से प्रतिदिन कुटे गए चावल की कुल मात्रा ; और

(ख) विनिर्देशों के अनुरूप उद्ग्रहण मुक्त चावल के अतिरिक्त उसके द्वारा क्रय किए गए या विक्रय के लिए प्राप्त किए गए चावल की कुल मात्रा ।

5. धान कुटाई के लिए सीमा.—यथास्थिति चावल मिल मालिक या अनुज्ञात व्यौहारी यह सुनिश्चित करेगा कि, विषणन क्रृतु में उनके द्वारा क्रय किए गए धान की कुटाई, अगली क्रृतु के प्रारम्भ होने से पूर्व की जा चुकी है और ऐसी आगामी क्रृतु के प्रारम्भ में उसके पास कोई धान कुटाई रहित नहीं रहा है ।

6. उद्ग्रहण चावल का विनिर्देश के अनुरूप होना.—यथास्थिति, खण्ड-3 या खण्ड-4 के अधीन सरकार को क्रय किए जाने की अपेक्षित चावल अनुसूची-1 में विहित उचित औसत क्वालिटी के चावल की किसी के अनुरूप होंगे और उसमें दर्शित अस्वीकृति की मात्रा से अधिक अपवर्तन अन्तर्विष्ट नहीं होगा और यदि किसी दशा में विक्री के लिए प्रस्थापित चावल का स्टाक ऐसे विनिर्देशों के अनुरूप नहीं होता है तो उसे यथास्थिति अनुज्ञात मिल मालिक या अनुज्ञात व्यौहारी द्वारा विक्री के लिए प्रस्थापित करने से पूर्व फिर से सही या परिशोधित किया जायेगा ताकि उसे ऐसे विनिर्देशों के अनुरूप लाया जा सके ।

7. उद्ग्रहण किए गए चावल वितरण परिदान).—(1) खण्ड-3 तथा खण्ड 4 के अधीन राज्य सरकार को विक्रय किये जाने के लिए अपेक्षित चावल का यथास्थिति मिल मालिक या अनुज्ञात व्यौहारी द्वारा क्रय अधिकारी को ऐसे लौट, रीति, यथास्थान और समय पर जैसा वह निर्दिष्ट करें वितरण (परिदान) किया लाएगा ।

(2) क्रय अधिकारी उसके द्वारा परिदृष्ट (वितरित) किये गये चावलों की मात्रा और किसी तथा उसका परिदान (वितरण) लेने की तारीख विनिर्दिष्ट करते हुए उसे बाबती देगा ।

(3) क्या अधिकारी चावलों का परिदान लेने पर ऐसे परिदत्त चावल की मात्रा और किस्म के लिए प्राप्ति मूल्य के आधार पर संगणित दर पर विश्लेषण के पश्चात् अनुसूची-IV में यथा अनुज्ञेय क्वालिटी कटौती, यदि कोई हो, के अध्यधीन रहते हुए संदाय करेगा ।

(4)(क) राज्य सरकार और भारतीय खाद्य निगम के प्रतिनिधियों द्वारा चावल मिल मालिकों/अनुज्ञाप्त व्यौहारियों या उनके प्राधिकृत अधिकर्ता की उपस्थिति में, चावल के निरीक्षण के पश्चात् चावल के तीन नमूने संयुक्त रूप से लिये जाएंगे ।

(ii) उपरोक्त निर्दिष्ट तीन नमूनों में है :

(क) एक मुहरबन्द नमूना चावल मिल मालिक या अनुज्ञाप्त व्यौहारी या उसके प्राधिकृत अधिकर्ता को दिया जायेगा ।

(ख) दूसरा मुहरबन्द नमूना यथास्थिति, भारतीय खाद्य निगम/राज्य सरकार की जिला प्रयोगशाला में रखा जायेगा । यथास्थिति, राज्य मुख्यालय या भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय/राज्य मुख्यालय के अधिकारियों के बीच नमूने की जांच में किसी विभाग की दशा में सरकार और भारतीय खाद्य निगम के प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से विश्लेषण किया जायेगा ।

(ग) तीसरे नमूने का यथास्थिति भारतीय खाद्य निगम/राज्य सरकार की प्रयोगशाला में संयुक्त रूप से खाद्य निगम और राज्य सरकार के तकनीकी अधिकारियों द्वारा वितरण स्थान पर विश्लेषण किया जाएगा । यदि यह प्रेषण के परिदान के दिन विश्लेषित नहीं होता है तो इसे मुहरबन्द का आगामी दिन मकारात्मक रूप से इसका परीक्षण किया जायेगा ।

(iii) तीसरे नमूने के विश्लेषण के पश्चात्, इस नमूने का अन्तिम परिणाम निदेशक खाद्य एवं आपूर्ति द्वारा विनिर्दिष्ट "विश्लेषण पर्ची" पर संयुक्त रूप में अंकित किया जाएगा । विश्लेषण प्रक्रिया की समाप्ति के पश्चात् चावल मिल मालिक यह चावल व्यौहारी को यथास्थिति निदेशक द्वारा प्रारूप में विनिर्दिष्ट और यदि अधिकारी द्वारा जारी विश्लेषण के 24 घण्टे के भीतर "स्वीकृति टिप्पणी" जारी किया जाएगा ।

(iv) पर्यवेक्षी कर्मचारियों द्वारा जांच की विधि :—

(क) सरकार, केन्द्रीय सरकार या भारतीय खाद्य निगम, के पर्यवेक्षी कर्मचारियों द्वारा स्वीकृत स्टाक को जांच की दशा में यथास्थिति, सरकार, केन्द्रीय सरकार या भारतीय खाद्य निगम के प्रतिनिधियों द्वारा ऐसे जांच किए गये स्टाक के नमूने लेकर मुहरबन्द किए जाएंगे । ये नमूने सरकार के मुख्यालय की प्रयोगशाला/भारतीय खाद्य निगम की प्रयोगशाला, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी प्रयोगशाला में जांचे जाएंगे ।

(ख) स्वीकृत स्टाक का दूसरा नमूना स्वीकर्ता अभिकरण द्वारा सरकार या केन्द्रीय सरकार या भारतीय खाद्य निगम, राज्य खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा अधि-निरीक्षण किए जाने के अध्यधीन शिमला स्थित मुख्यालय प्रयोगशाला या भारतीय खाद्य निगम की प्राधिकृत प्रयोगशाला/केन्द्रीय सरकार की किसी प्राधिकृत प्रयोगशाला में रखा जाएगा ।

(v) यदि भारतीय खाद्य निगम/सरकार/केन्द्रीय सरकार द्वारा पश्चातवर्ती जांचों पर यह पाया जाता है कि भारतीय खाद्य निगम/सरकार द्वारा संयुक्त रूप में स्वीकृत चावल के भण्डार की गुणवता विनिर्दिष्टाओं से कम है, तो सरकार या भारतीय खाद्य निगम से सम्बन्धित कर्मचारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी ।

(5) चावल के भण्डारों के लिये संदेय मूल्य विश्लेषण के परिणाम के आधार पर अवधारित किया जायेगा जो चावल मिल मालिक या अनुज्ञाप्त व्यौहारी को, यथास्थिति, अनुसूची-IV में यथा अनुज्ञेय क्वालिटी कटौती, यदि कोई हो, अधिरोपित करने के पश्चात् सामूचित किया जायेगा ।

(6) यदि विश्लेषण का परिणाम प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर यथास्थिति चावल मिल मालिक या अनुज्ञप्त व्यौहारी या उसका प्राधिकृत अधिकारी परिणामों की शुद्धता पर विवाद करता है, तो वह उपरोक्त रद्द करण के विरुद्ध निदेशक या उसके द्वारा इस निमित सम्यक रूप से प्राधिकृत अधिकारी को, जो जिला खात्र एवं, आपूर्ति नियन्त्रक की पंक्ति से नीचे का न हो, अपील कर सकेगा, जो सरकार की प्रयोगशाला में रखे हुए अन्य नमूने को प्राप्त करने का प्रवन्ध करेगा, सरकार और परिदृत प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत एजेंसी के प्रतिनिधियों और यथास्थिति, चावल मिल मालिक या अनुज्ञप्त व्यौहारी या उसके प्राधिकृत अधिकारी की उपस्थिति में पुनः विश्लेषण करेगा। यदि चावल मिल मालिक या अनुज्ञप्त व्यौहारी या उसकी प्राधिकृत अधिकारी, यथास्थिति, अपील करते हैं, तो पूर्वोक्त स्वीकृत स्टाक को खात्र निगम के परिसर में रखने की अनुमति दी जायेगी। तथापि चावल मिल मालिक या अनुज्ञप्त व्यौहारी या उसका प्राधिकृत अधिकारी, यथास्थिति, उसके द्वारा की गई अपील के खारिज होने की दशा में भण्डारण और अन्य विहित ग्रन्त वहन करेगा।

(7) उप-खण्ड (6) में निर्दिष्ट दूसरे विश्लेषण का परिणाम दोनों पक्षों पर आवधकर होगा और चावल के भण्डार के लिए देय मूल्य उस परिणाम के आधार पर अन्तिम रूप से अवधागित किया जायेगा। क्रय अधिकारी, चावल का परिदान लेने पर उप-खण्ड (6) में यथा उपवन्धित विश्लेषण के आधार पर अधिगोपित क्वालिटी कटौती के अध्यवीन इस प्रकार परिदृत चावल की मात्रा तथा किम्म के लिए प्राप्ति मूल्य के आधार पर मंगणित दर पर भुगतान करेगा।

(8) यथास्थिति मिल परिसरों या चावल मिल मालिक या अनुज्ञप्त व्यौहारी के परिमग्नों के अथवा स्थान पर उद्ग्रहण चावल के परिदान की दशा में वह ऐसे परिदान से आनुपांगिक अन्य प्रभागों, जिसमें सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये निर्देशों के अनुसार यथा विनियिगित परिवहन प्रभार सम्मिलित है, के भंदाय का हकदार होगा।

(9) चावल, जिसका परिदान सरकार को खण्ड-3 तथा 4 के अन्तर्गत किया जाना अपेक्षित है, नयी टाट की बोरियों में भरा जाएगा। टाट की बोरियों की कीमत वैमासिक निर्धारित की जाएगी और यह आपूर्ति करने वाले को अनाज के शुद्ध वजन के मूल्य के अतिरिक्त संदेय होगी। वैमासिक अनुसूची और जिस तारीख से वैमास शुरू होता है, ऐसी होगी जो भारत सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जा सकेगी।

(10) (क) खण्ड 3 तथा 4 के अन्तर्गत सरकार को विक्रय के लिये अपेक्षित चावल का परिदान चावल कुटाई की क्षमता का विचार किये बिना, समस्त चावल मिल मालिकों यथास्थिति, अनुज्ञप्त व्यौहारी जिसने चावल कुटाई की क्षमता का विचार किए बिना चावल मिल मालिक से लिया है द्वारा दोहरी पंक्ति यन्त्र पर सिलाई हुये तथे बीरिविल टाट के बोरों में क्रय अधिकारी या अन्य किसी ऐसे व्यक्ति, जो उसकी तरफ से परिदान लेने के लिए उसके द्वारा प्राधिकृत किया गया है, को उस समय और ऐसे स्थान पर जो क्रय अधिकारी या ऐसा प्राधिकृत व्यक्ति विनिर्दिष्ट करेगा, पर दे देगा।

(ख) चावल मिल मालिक और अनुज्ञप्त व्यौहारी को दो पंक्ति मशीन द्वारा मिलाई के लिए तथा नई बीरिविल टाट की बोरियों के मूल्य के लिए प्रतिकर ऐसी दरों पर संदत्त किया जायेगा जिन्हें सरकार समय-समय पर संदत्त करें।

(ग) इस आदेश के खण्ड-3 तथा 4 के अन्तर्गत सरकार को विक्रय के लिए अपेक्षित चावल का परिदान शत प्रतिशत 50 किलोग्राम की पैकिंग में किया जाएगा।

8. चावल के विक्रय तथा संचालन पर निर्बन्धन—(1) यथास्थिति, कोई भी मिल मालिक या अनुज्ञप्त व्यौहारी उसके द्वारा कुटाई के माध्यम से प्राप्त या अन्यथा अर्जित चावल (खण्ड-3 या 4 में विनिर्दिष्ट उद्ग्रहण चावल से अन्यथा भी) को, उस द्वारा कुटाई के माध्यम से प्राप्त या अन्यथा अर्जित चावल के उद्ग्रहण घंग से अधिक से न तो बेचेगा या बेचने के लिए करार करेगा या अन्यथा उसका निपटान करेगा।

(2) प्रत्येक चावल मिल मालिक या अनुज्ञाप्त व्यौहारी चावल मिल के परिसरों या भण्डागार, जो अनुज्ञाप्त में चिन्हित होगा, में चावल के संचालन को ऐसे संचालन से पहले या उसके 8 घण्टे के भीतर, अनुसूची-V में दिए गए प्रारूप में लिखित रूप में सम्बन्धित क्षेत्र के खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक को सूचना देगा जिसकी एक प्रति जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक को भी प्रेषित होगी।

(3) चावल मिल मालिक/अनुज्ञाप्त व्यौहारी उद्ग्रहण मुक्त चावलों का निष्ठान केवल, खरीद अधिकारी द्वारा वसूली के अधीन चावलों के परिदान के सम्बन्ध में जारी की गई मूल प्राप्ति को प्रस्तुत करने पर, सम्बन्धित क्षेत्र के प्रवर्तन अधिकारी द्वारा जारी किए गये निमुक्त प्रमाण-पत्र के उपरान्त ही किया जाएगा।

(4) यह दर्शित करने के लिए कि चावल उद्ग्रहण मुक्त है, सावित करने का भार उस व्यक्ति पर होगा जिसका 4 किंवद्दन से कम की अनुज्ञेय मात्रा में अधिक चावलों का स्वामित्व है, कद्दा है, या जो वाहन के किसी ढंग के माध्यम से इसे मंचालित करता है।

9. चावल मिलों से धान कुटने की अपेक्षा करने की शक्तियां—सरकार या निदेशक, किसी चावल मिल मालिक को सरकार या उसके अभिकरणों या खाद्य निगम द्वारा धारित धान की किन्हीं भी भण्डारों को, ऐसी शर्तों और निवन्धनों पर जो सरकार या निदेशक द्वारा विहित की जायें, चावल में बदलने के लिये निर्दिष्ट कर सकेगा :

परन्तु प्रथम अक्तूबर को प्रारम्भ होने वाली एक खण्डक ऋतु के दौरान सरकार या उसके अभिकरणों या खाद्य निगम द्वारा किसी चावल मिल को दिये जाने वाले धान की मात्रा 300 कार्य दिवसों और औमत पर मंगणित की जाने वाली गैलर की वार्षिक अनुज्ञाप्त कुटने की क्षमता के चालीस प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

10. चावल मिलों द्वारा रूढ़िगत कुटाई पर निवन्धन.—(1) सम्बन्धित जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक द्वारा अनुसूची-VI में दिये गये प्रारूप में जारी किए गये अनुज्ञा पत्र के अधीन और उसके अनुसार के सिवाए कोई भी चावल मिल मालिक धान की रूढ़िगत कुटाई नहीं करेगा :

परन्तु द्वितीय हारे द्वारा स्वयं उगाई गई और धान भण्डारों से लाई गई धान या कृषीय श्रमिक द्वारा उसकी मजदूरी के रूप में अर्जित धान भण्डारों में लाई गई थोड़ी मात्रा में धान या सरकार या उसके अभिकरणों द्वारा भण्डार में रखी धान की रूढ़िगत कुटाई को हाथ में लेने के लिए अनुज्ञा-पत्र की अपेक्षा नहीं होगी।

(2) प्रत्येक चावल मिल मालिक द्वारा ली गई रूढ़िगत कुटाई के सम्बन्ध में अलग से लेखे रखें जायेंगे।

11. खाद्य निगम पर उद्ग्रहण.—खाद्य निगम में चावल के ऐसे भण्डारों पर, जिनका वे केन्द्रीय पूल में परिदान करेंगे, कोई उद्ग्रहण प्रभारित नहीं किया जायेगा।

12. आदेश या निर्देश का अनुपालन करने का कर्तव्य.—प्रत्येक चावल मिल मालिक या अनुज्ञाप्त व्यौहारी जिसे, किसी प्राधिकारी को प्रदत्त शक्तियां के अधीन या उस आदेश के अधीन, आदेश या निर्देश जारी किया जाता है, ऐसे आदेश या निर्देश का अनुपालन करेगा।

13. छूट देने की शक्ति.—सरकार, केन्द्रीय सरकार की पूर्व महमति में, लोक हित में किसी भी क्षेत्र को, इस आदेश के किसी उपवन्ध के पालन में छूट ले सकती है।

14. प्रवेश, तलाशी और अभिग्रहण की शक्तियां.—(1) इस आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करना या अपना समाधान करने के विचार में कि इस आदेश की अनुपालना हो चुकी है, प्रवर्तन अधिकारी,—

(क) मिल मालिक या व्यौहारी की किसी भी पुस्तक या दस्तवेज या लेखा और उससे सम्बन्धित या उसके नियन्त्रण में चावल या धान भण्डार का निरीक्षण कर सकेगा या करवा सकेगा;

(ख) किसी भी व्यक्ति से चावल के उत्पादक या विनिर्माण के लिए किसी उपक्रम या व्यापार के या चावल या धान के क्रय विक्रय या भण्डार करने के बारे में उसके पास कोई जानकारी देने की अपेक्षा कर सकेगा ;

(ग) किसी मिल मालिक या व्यौहारी के मिल या अन्य परिसर में, जहां उसके पास विश्वास करने का कारण हो; कि चावल या धान का भण्डार है, और उसे परिदान के लिए उपयोग में लाया जाता है या उसके उपयोग में लाये जाने का सन्देह है, किसी व्यक्ति, या वाहन या जलयान या पशु को तत्काल ऐसी साहाय्य या सहायता से, जो आवश्यक हो, जाने से रोक सकता है या उसकी तलाशी ले सकेगा ;

(घ) ऐसी मिल या अन्य परिसरों में, ऐसी साहाय्य या सहायता सहित, जैसी आवश्यक हो, प्रवेश कर सकता या तलाशी ले सकेगा ;

(ङ) ऐसी साहाय्य या सहायता सहित, जैसी, कि आवश्यक हो, निम्नलिखित का अभिग्रहण कर सकता ; या उसे हटा सकता है,—

- चावल या धान के ऐसे किसी भण्डार या उसके किसी भाग को जिसके बारे में उसके पास यह विश्वास करने का कारण हो कि इस आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन हुआ है या हो रहा है या होने वाला है ;
- कोई संविधान, आवश्यक या आधान्त जिसमें ऐसे चावल या धान का भण्डार पाया जाता है ; और
- ऐसा पशु, वाहन, जलवान या अन्य वाहन जिसे चावल या धान के भण्डार को ले जाने के लिये उपयोग में लाया जाता है, यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण हो कि ऐसा पशु वाहन, जलयान या अन्य वाहन आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955, के उपबन्धों के अधीन समर्पित किए जाने को दायी हैं, और उसके पश्चात् वह अयुक्तियुक्त विलम्ब किये बिना उक्त अधिनियम की धारा 6 (क) के उपबन्धों के अधीन कुलैक्टर को रिपोर्ट कर सकता है ।

(च) ऐसे लेखे को किसी पुस्तक या दस्तावेज का अभिग्रहण कर सकता है और उसे हटा सकता है जो उसकी राय में, इस आदेश के उल्लंघन के बारे में किसी कार्यवाही के लिये लाभदायक या सुसंगत होगी और ऐसे व्यक्ति को, जिसकी अभिरक्षा से ऐसी पुस्तकें या लेखे या दस्तावेज अभिग्रहण किये गये हैं, अपनी उपस्थिति में उसकी प्रतियां बनाने या उसके उद्धरण लेने की आज्ञा दे सकता है ।

(2) इस खण्ड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण के सम्बन्ध में दण्ड प्रत्रिया संहिता, 1973 के उपबन्ध, जहां तक हो सके, तलाशी और अभिग्रहण पर लागू होंगे ।

15. लेखे रखना.—(1) प्रत्येक चावल मिल मालिक और अनुज्ञात व्यौहारी अनुसूची-VII में दिये गये प्ररूप में दिन के दौरान कुटे गए धान और उद्ग्रहण के अधीन परिदित चावलों की मात्रा दर्शाते हुए एक रजिस्टर रखेगा ।

(2) वह अनुसूची-VIII में दिये गये प्ररूप में उक्त लेखों की प्रत्येक पंचांग मास की 15 तारीख और अन्तिम दिन को समाप्त होने वाली पाक्षिक अवधियों को संजिप्त रखने वाले पाक्षिक विवरणी क्षेत्र में अधिकारित रखने वाले प्रवर्तन अधिकारी को प्रस्तुत करेगा ताकि वह उसके पास पखवाड़े की समाप्ति के पांच दिन के भीतर पहुंच जाये ।

16. मिल मालिकों/व्यौहारियों के भण्डारों का कालिक सत्यापन.—(1) प्रवर्तन अधिकारी मिल के चावल या धान के भण्डारों का कालिक सत्यापन करेगा और जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक को रिपोर्ट भेजेगा ।

(2) प्रवर्तन अधिकारी, व्यौहारी के पास पड़े चावल/धान के भण्डारों का कालिक सत्यापन भी करेगा और जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक को रिपोर्ट भेजेगा ।

17. अपील .—(1) कोई चावल मिल मालिक या अनुज्ञाप्त व्यौहारी या अन्य व्यक्ति, क्य अधिकारी हारा यथास्थिति छण्ड 3 या 4, के अधीन उद्ग्रहण की मात्रा नियत करने के आदेश में व्यक्ति होने पर, ऐसे आदेश की तामील से नीस दिन के भीतर निदेशक को अपील कर सकेगा ।

(2) निदेशक उसे की गई ऐसी अपील की मुनवाई के लिये तारीख, समय और स्थान नियत करेगा और समय-समय पर सुनवाई स्थगित कर सकेगा और ऐसी आगामी जांच, जो वह उचित समझे, कर सकता या करवा सकता है ।

(3) अपील का निपटान करते हुए, निदेशक ऐसे आदेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पुष्ट या संशोधित करके उक्त आदेश के अधीन बेचे जाने वाले चावलों की मात्रा घटा या बढ़ा सकता है ।

(4) निदेशक अपील में पारित आदेश को लिखित रूप में अपीलकर्ता और सम्बन्धित क्य अधिकारी को भी संसूचित करेगा । ऐसी अपील पर अपील अधिकारी का प्रत्येक आदेश अन्तिम होगा ।

18. वासमती चावल के लिए विशेष उपबन्ध .—(1) प्रत्येक चावल मिल मालिक और अनुज्ञाप्त व्यौहारी अनुसूची-VII में दिये प्रारूप में दिन के दौरान कुटी वासमती धान और वासमती चावल की बेची गई मात्रा दर्शनी के लिए एक रजिस्टर रखेगा ।

(2) वह अनुसूची-VIII में दिये गये प्रारूप में उक्त लेखों की प्रत्येक पंचांग मास की 15 तारीख और अन्तिम दिन को समाप्त होने वाली पाक्षिक अवधियों को संज्ञित रखने वाली पाक्षिक विवरणी क्षेत्र में अधिकारिता रखने वाले प्रवर्तन अधिकारी को प्रस्तुत करेगा ताकि वह उसके पास पखवाड़े की समाप्ति के पांच दिन के भीतर पहुंच जाये ।

(3) प्रत्येक चावल मिल मालिक या अनुज्ञाप्त व्यौहारी अनुसूची-V में वर्णित प्रारूप में, अनुज्ञाप्ति में घोषित चावल मिल परिसर या गोदाम में वासमती चावल के संचालन की लिखित सूचना, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक को प्रतिलिपि सहित क्षेत्र के निरीक्षक, खाद्य एवं आपूर्ति को ऐसे संचालन से कम से कम चौबीस घण्टे पूर्व देगा ।

(4) वासमती धान तथा वासमती चावल का वर्णन क्रमशः अनुसूची I तथा IV में यथा वर्णित है ।

19. निरसन और व्यावस्थाएँ .—हिमाचल प्रदेश चावल प्राप्त (उद्ग्रहण) आदेश, 1974 (हिमाचल प्रदेश राईस प्रब्योरमेन्ट लेवी आईर, 1974) का एतद्वारा निरसन किया जाता है :

परन्तु ऐसा निरसन :—

- (क) उक्त आदेश के पूर्व प्रवर्तन या उसके अधीन सम्यक् रूप से की गई या मुक्त किसी बात को प्रभावित नहीं करेगा ; या
- (ख) उक्त आदेश के अधीन अर्जित या प्रांदभूत या उपगत किसी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व पर प्रभाव नहीं डालेगा ; या
- (ग) उक्त आदेश के विरुद्ध किये किसी उपराध के सम्बन्ध में उपगत किसी शास्ति, सम्पहरण या दण्ड को प्रभावित नहीं करेगा ; या
- (घ) ऐसे पूर्वोक्त किसी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व, शास्ति, सम्पहरण या दण्ड के बारे में किसी जांच, विधिक कार्रवाई या उपचार पर ; और

संस्थापित, चालू या नागू किसी ऐसी जांच, विधिक कार्रवाई या उपचार पर और लगाई गई किसी अन्य शास्ति, समहरण या दण्ड पर प्रभाव नहीं ढालेगा, मानो उक्त आदेश निरासित नहीं किया गया था।

अनुसूची-I

[खण्ड-2 (ज) दखिये]

धान का वर्गीकरण

क्रमांक	वर्गीकरण	विवरण
1. साधारण (आई० आर० ४ जया) चावल		अनुभूची-II में अन्तर्विष्ट विवरण की किसी के छोटे-मोटे और लम्बे चावल तैयार करेगा।
2. ग्रेड़—“क” (बेगमी, एच० एम०-९५, पी० आर०-१०७ (सीता), परमल, रतना, आर० पी०-५-३ (सोना), पी० आर०-१०६, बासमती (टेरीकोट), पूसा-१५०, पूसा-३३ (पंजाब नं-१ एच० के० आर०-१२०)		धान जो अनुसूची-II में अन्तर्विष्ट विवरण की किसी के मध्यम पतले चावल तैयार करेगा।

अनुसूची-II

[खण्ड 2(ज) दखिये]

चावल का वर्गीकरण

क्रमांक	वर्गीकरण	विवरण
1. साधारण—छोटे-मोटे तथा लम्बे-मोटे (आई० आर० ४, जया)।		लम्बाई/चौड़ाई अनुपात 2.5 से कम।
2. ग्रेड—“क”—(मध्यम पतला, छोटा पतला और लम्बा पतला) (बेगमी, एच० एम०-९५, पी० आर०-१०७ (सीता) परमल, रतना, आर० पी०-५-३ (सोना) पी० आर०-१०६, बासमती (टेरीकोट), पूसा-१५०, पूसा-३३, (पंजाब नं० १, एच० के० आर०-१२०)		लम्बाई/चौड़ाई अनुपात 2.5 और ऊपर।

अनुसूची-III

[खण्ड 2 (अ) देखिये]

चावल का प्राप्ति मूल्य

क्रमांक	वर्गीकरण	प्रति किलो ग्राम मूल्य कच्चा चावल औसत उबला चावल
1.	साधारण (आई0 आर0-8, जया)	
2.	ग्रेड-“क” (बेगमी, एच0 एम0-95, पी0 आर0 107 (सीता) रतना, एच0 पी0-5-3 (सोना) पी0आर0-106, बासमती (टेरीकोट) पूसा-150, पूसा-33, पंजाब नं0 1. एच0 के0 आर0-120)	जैसा की केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।

टिप्पणी—चावल के उपरोक्त मूल्य वास्तविक अनाज के शुद्ध भार के लिए है जिसमें क्रय कर, धान पर मण्डी प्रभार और धान पैक करने के लिये उपयोग में लाये गए बोरों पर मूल्य हास शामिल है परन्तु इसमें चावल पर पूर्व मिल पहुंच (एक्स मिल स्टेज) के बाद टाट के बोरों की लागत और कर, यदि कोई हो, शामिल नहीं है।

अनुसूची-IV

[खण्ड 2 (अ) (2)(ण), 7(3) और (5), 18(4) देखिये]
ग्रेड-“क” तथा साधारण चावल की समरूप विनिर्देश

चावल ठोस विक्रय दशा में, मीठे, शुष्क, साफ, स्वास्थ्यकर, पांचिटक खाद्य तत्व युक्त आकार और रंग में समरूप और फफूदी, धुन, गन्ध, धब्बों, हानिकारक पदार्थों या रंग देने वाले तत्वों तथा अशुद्धताओं से रहित हो। सिवाय उनके जो निम्नलिखित सारणी में दी गई है, होगा। यह खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम मानकों के अनुरूप भी होगा।

विनिर्देशों की अनुसूची

क्रमांक	अवयव	अधिकतम सीमा (%)	
		ग्रेड-“क”	साधारण
1	2	3	4
1.	एक प्रतिशत टूटा हुआ सहित छोटा टूटा कच्चा औसत उबला हुआ	25 16.0	25 16.0
2.	व्यर्थ पदार्थ कच्चा/ औसत उबला हुआ	0.5	0.5
		“वजन से 0.25% से अधिक नहीं कम से कम पदार्थ होगा और वजन से 0.10 से अधिक नहीं, मूल की अशुद्धता होगी।	

1	2	3	4
3. अतिग्रस्त/हल्का अतिग्रस्त कच्चा		2.0	2.0
अौसत उबला हुआ		4.0	4.0
4. रंग रहित अनाज कच्चा		3.0	3.0
अौसत उबला हुआ		5.0	5.0
5. चांकी अनाज कच्चा		5.0	5.0
6. लाल अनाज कच्चा		3.0	3.0
अौसत उबला हुआ		3.0	3.0
7. निम्न श्रेणी का भिमिश्रण कच्चा/अौसत उबला हुआ	10	—	—
8. छिलके बिना अनाज कच्चा/अौसत उबला हुआ	12.0	12.0	—
9. नमी युक्त कच्चा/अौसत उबला हुआ	14.0	14.0	—

टिप्पणी.—ग्रेड-“क” और साधारण किम्म के चावलों की विनिर्देशों पर लागू।

टिप्पणी.—(1) उपरोक्त संघटकों की परिभाषा और विश्लेषण का ढंग भारतीय मानक में दिये गये खाद्यान्नों के विश्लेषण के ढंग सं ० आई० एस०-४३३३ (भाग-१) १९६७ और आई० एस० ४३३३ (भाग-२) १९६७ और समय-समय पर यथा संशोधित खाद्यान्न के लिए “शब्ददावली” आई० एस० २८१३-१९७० के अनुसार अपनाया जाना है। छिलका उतरे हुए दाने चावल की सावृत या टूटी गिरी होंगे जिसमें भूसी सहित सतह 1/4 से अधिक और टूटी गिरी होंगे जिसमें भूसी सहित 1/4 से अधिक और निम्न प्रकार से अवधारित किये जाएंगे:—

विश्लेषण प्रक्रिया.—(1) चावल ५ ग्राम, सावृत और टूटे हुए दाने सहित एक पेटी डिस (80×70 मि० मी०) में लें। खाद्यान्न को लगभग 20 मि० ली० मैटानिल (नीले अमल) आसवन जल में 0.05 प्रतिशत भार में डुबोयें और इसमें लगभग एक मिनट तक रहने दें। अब मैटानिल (नीला अमल) को नियार लें। इसे लगभग 20 मि० ली० पतले हाइड्रोक्लोरिक अमल (आसवन जल में आयतन के आधार पर 5 प्रतिशत धोल) से अच्छी तरह धोएं। पानी से धोयें तथा इसे लगभग 20 मि० ली० मैटानिल (पीले धोल) आसवन जल के 0.5 प्रतिशत भार में वे नीले और पीले हुए खाद्यान्नों को डाल दें तथा एक मिनट तक रहने दें। धोल को नियार लें तथा दो बार साफ पानी से धोयें। धब्बे वाले खाद्यान्न को साफ पानी में रहने दें और छिलके बिना खाद्यान्न को गिने। विश्लेषण में नमूने के ५ ग्राम खाद्यान्नों की गणना करें। तीन टूटे हुए को एक पूरा खाद्यान्न समझें।

गणना :—

$$\frac{\text{बिना छिलके खाद्यान्नों का प्रतिशत}}{\text{डब्ल्यू०}} \times 100$$

जहां एन-बिना छिलके खाद्यान्नों की संख्या पांच ग्राम के नमूने में और डब्ल्यू० नमूने में पांच ग्राम में कुल खाद्यान्न।

(2) नमूने भरने का ढंग भारतीय मानक व्यूरों में दिये गये “अनाज और दालों के नमूने भरने के ढंग” सख्त आई० एस०-२८१४-१९६४ और समय-समय पर यथा संशोधित का अनुसरण किया जाएगा।

(3) पूरे दाने के आकार के 1/8 से कम टूटे हुए के लिए टूटे की समग्र सीमा में वर्धमान पदार्थ समझा जाएगा, 1/8, से 1/4 तक के आकार का टूटा हुआ एक प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। टूटे हुए दाने के आकार के अनुरूप के लिए चावल की मूल श्रेणी की अौसत लम्बाई को अंत में रखा जाएगा।

(4) किसी ढेर में अकार्बोनिक व्यर्थ पदार्थ 0.25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, यदि वह अधिक हो, स्टाक को साफ कर लेना चाहिये और सीमा के अन्दर माना जाना चाहिए चावल के दाने के सिंगल या टुकड़े जिन पर कौचड़ लगी हो, अकार्बोनिक व्यर्थ पदार्थ समझे जाएंगे ।

(5) दबाव साम्य उबला तकनीक द्वारा तैयार किये गये चावल की दणा में, यह सुनिश्चित किया जायेगा कि साम्य उबला की प्रक्रिया को ठीक अपनाया गया है अर्थात् डाला गया दबाव, डाले गये दबाव का समय, उचित लेधीकरण और कुटाई से पहले वायु मिश्रण और सुखाना उपयुक्त है जिससे कि साम्य उबले चावल का रंग तथा पकाने का समय अच्छा हो और दानों की पपड़ी से मुक्त हो ।

अनुसूची-V

[8(2) और 18(3) देखिये]

चावल मिल या अनुजप्त गोदाम से चावल संचलन की सूचना
तारीख :

1. चावल मिल मालिक/व्यौहारी का नाम और पता
2. खाद्यान्न अनुजप्ति संख्या

- (i) कूटे हुए धान की मात्रा
- (ii) उत्पादित चावल की मात्रा
- (iii) सरकार को परिदित चावल की मात्रा
- (iv) परिदान मुक्त चावल का अंश (मात्रा)
- (v) अनुजप्ति में वोषित चावल मिल या गोदामों के परिसर से पहले की उठाये उद्गृहण चावल की मात्रा ।
- (vi) स्टाक में उद्गृहण मुक्त चावल का अतिशेष
3. संचलन में अन्तर्विलत मात्रा
4. गन्तव्य स्थान
5. प्रेषक
6. प्रेषिती (पूरा पता)
7. संचलन की रीति (सड़क/रेल)
8. संचलन की तारीख और समय

अनुजप्ति मिल मालिक व्यौहारी
के हस्ताक्षर ।

मेवा में

निरीक्षक, खाद्य एवं आपूर्ति,
जिला निरीक्षक, खाद्य एवं आपूर्ति ।

प्रति प्रेषित :

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक ।

अनुसूची-VI

[खण्ड-10 (1) देखिये]

प्राईवेट लेखे पर रुद्धिगत धान की कुटाई करने के लिए अनुजा-पत्र का प्राप्ति ।

मंख्या :

श्री/श्रीमती—(चावल मिल) अनुजप्ति मंख्या—को निम्ननिवित शर्तों के अध्यधीन प्राईवेट लेखे पर धान की रुद्धिगत कुटाई करने के लिए प्राप्त अनुजा-पत्र का प्राप्ति ।

- (1) वह रुद्धिगत कुटाई के लिए प्राप्त धान का सही और मच्चा लेन्ड्रा अनुग रखेगा, जिसमें व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम तथा पूरा पता जिनसे ऐसा धान प्राप्त हुआ हो, खाद्यान्न व्यौहारी की अनुजप्ति मंख्या (यदि ग्राहक एक व्यौहारी है) और कुटी हुई धान तथा उससे तैयार चावल की मात्रा दर्शित करेगा ।
- (2) वह उपर्युक्त शर्त (1) में वर्णित लेखे का सार प्रतिमास प्रवर्तन अधिकारी को प्रस्तुत करेगा ।
- (3) यह अनुजा हिमाचल प्रदेश चावल प्राप्ति उद्ग्रहण आदेश, 2001 तथा/या हिमाचल प्रदेश ट्रेड आर्टीकलज (लाइसेंसिंग एण्ड कन्ट्रोल) आर्डर, 1981 के किसी उपबन्ध के उल्लंघन में रद्द की जा सकती है ।

अनुसूची-VII

[खण्ड-15(1), 16(2) और 18 (1) देखिये]

प्रत्येक चावल मिल मालिक/व्यौहारी द्वारा रखे जाने वाला रजिस्टर रखा जाएगा

(आंकड़े किटलों में)

1. तारीख
2. धान का आरम्भिक स्टाक (किस्म अनुसार)
3. प्राप्ति
4. कुल
5. कुटाई की मात्रा
6. प्रतिशेष
7. चावल का आरम्भिक स्टाक
8. उत्पादित चावल
9. कुल
10. अभिकरण/पक्षकार (पार्टी) जिसको सौंपा/बेचा गया ।
11. बन्द प्रतिशेष
12. हस्ताक्षर

अनुसूची-VIII

[खण्ड 16 (2) और 18 (2) देखिये]

प्रत्येक चावल मिल मालिक/व्योहारी द्वारा प्रवर्तन अधिकारी को किस्मवार प्रस्तुत की जाने वाली पाक्षिक विवरणी।

(प्रांकडे किटलों में)

1. चावल मिल मालिक/व्योहारी का नाम तथा पता
2. समाप्त व पाक्षिक.....
3. बासमती सहित धान का आरम्भिक स्टाक
4. बासमती सहित पक्ष के दौरान प्राप्ति
5. बासमती सहित स्टाक में कुल धान
6. कुटी गई मात्रा
7. बासमती सहित अतिशेष धान
8. बासमती सहित चावल का आरम्भिक स्टाक
9. बासमती सहित पक्ष के दौरान उत्पादित चावल
10. स्टाक में बासमती सहित कुल चावल
11. सरकार को दिया गया चावल
12. प्राईवेट पार्टियों को बेचा गया चावल
13. बासमती चावल की बेची गई मात्रा
14. बासमती सहित अतिशेष चावल
15. हस्ताक्षर

अनुसूची-IX

[खण्ड 18 (4) देखिये]

[बासमती धान और बासमती चावल का वर्गीकरण]

क्रम संख्या	वर्गीकरण	विवरण
1. बासमती धान		धान जो नीचे क्रम संख्या 2 में अन्तर्विल्ट विवरण की किसी के लम्बे पतले प्राकृतिक खुशबू वाले चावल उत्पन्न करेगा।
2. बासमती चावल		लम्बाई चौड़ाई अनुपात 3.83 जिसकी प्राकृतिक खुशबू हो।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/
वित्तायुक्त एवं सचिव (खाद्य एवं आपूर्ति),
हिमाचल प्रदेश सरकार।

[Authoritative English text of this department Order No. FDS-A(3)19/2001, dated 28-11-2001, as required under clause(3) of Article 348 of the Constitution of India].

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

ORDER

Shimla-171002, the 28th November, 2001

No. FDS-A(3)-19/2001.—Whereas the Governor of Himachal Pradesh is of the opinion that it is necessary and expedient for maintaining the supplies of rice and for securing its equitable distribution and availability at fair prices:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (Act No. 10 of 1955) read with the Government of India, Ministry of Agriculture (Department of Food), Order No. GSR 800, dated 9th June, 1978 and GSR 452(E), dated the 25th October, 1972, the Governor of Himachal Pradesh, with the prior concurrence of the Central Government, hereby makes the following order, namely:—

1. *Short title, extent and commencement.*—(a) This Order may be called the Himachal Pradesh Rice Procurement (Levy) Order, 2001.
 - (b) It extends to whole of the State of Himachal Pradesh
 - (c) It shall come into force at once.
2. *Definitions.*—In this order, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Custom milling" means milling of paddy, not belonging to the miller, into rice in his rice mill on payment of milling charges in cash or in kind;
 - (b) "Director" means the Director of Food & Supplies, Himachal Pradesh and includes Joint Director, Deputy Director of Food & Supplies, Himachal Pradesh and any other Officer authorized by the Government to administer all or any of the provisions of this order;
 - (c) "Enforcement Officer" means the Director and includes any other Officers not below the rank of Inspector, Food and Supplies authorized by the Government;
 - (d) "Food Corporation" means the Food Corporation of India established under section 3 of the Food Corporation Act, 1964 (Act No. 37 of 1964);
 - (e) "Government" means the Government of Himachal Pradesh;
 - (f) "Licensed dealer" means a person holding a valid licence under the Himachal Pradesh Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981;
 - (g) "Marketing season" means the period commencing from the 16th day of September every year to 15th September, following;
 - (h) "Paddy and rice" means paddy and rice of the varieties described in Schedule I and Schedule II, respectively;
 - (i) "Permit" means a permit issued by the Director to a rice miller to undertake custom milling of paddy;

(j) "Procurement price" means the price specified in Schedule III for different varieties of rice as per specification given in Schedule IV as fixed by the Government with the prior concurrence of the Central Government from time to time;

(k) "Purchase Officer" means Director and includes the District Food and Supplies Controller and District Inspector Food and Supplies in their respective jurisdictions or any other officer/agency appointed by the Government to purchase rice from the rice millers/dealers;

(l) "Rice mill" means the plant and the machinery with which and the premises including the precincts thereof in which or any part of which, rice milling operation is carried on;

(m) "Rice Miller" means the owner or other person in-charge of a rice mill, or authority which has ultimate control over the affairs of such mill and when the said affairs are entrusted to a Manager, Managing Director or Managing Agent, Such Manager, Managing Director or Managing Agent holding a valid licence under the Himachal Pradesh Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981;

(n) "Schedule" means a schedule to this order; and

(o) "Specifications" means the specifications prescribed for rice in Schedule-IV.]

3. Levy on licensed miller.—(1) Every Rice Miller shall deliver to the Purchase Officer or such agency as may be appointed by the Government in this behalf, at the procurement price in any variety, fifty per cent of rice conforming to the specifications, out of the stocks held by him on the date of commencement of this Order, or such percentage, as may be specified by the Government from time to time with the prior concurrence of the Central Government of;

(a) the total quantity of rice conforming to the specification milled by him every day out of his stocks of paddy owned or acquired by him; and

(b) the total quantity of rice conforming to the specification purchased or otherwise acquired by him except the levy free rice.

(2) (a) No miller shall sell or in any manner transfer any quantity of paddy held by him in stocks to any dealer;

(d) No miller shall sell or in any manner transfer any quantity of paddy held by him in stocks to any miller without prior intimation in writing to the concerned District Food and Supplies Controller.

4. Levy on licensed dealers.—Every licensed dealer shall deliver to the Purchase Officer or such agency as may be appointed by the Government in this behalf, at the procurement price, in any variety, fifty per cent of rice conforming to the specification, or such percentage as may be specified by the Government from time to time with the prior concurrence of the Central Government of,

(a) the total quantity of rice conforming to the specification got milled by him every day out of his stocks of paddy; and

(d) the total quantity of rice conforming to the specifications purchased or otherwise acquired by him for the purpose of sale except the levy free price.

5. *Time limit for milling paddy.*—The Rice miller or the licensed dealer, as the case may be, shall ensure that all paddy purchased by him in the marketing season is milled before the commencement of the next season and no paddy shall remain unmilled with him at such commencement.

6. *Levy rice to conform to specification.*—The rice required to be sold to the Government under clause 3 or clause 4, as the case may be, shall conform to the specifications of rice of fair average quality as prescribed in Schedule-IV applicable to the respective variety of rice and shall not contain refraction beyond the rejection limit shown therein and in case any stock of rice offered for sale does not conform to such specifications, it shall be reconditioned or rectified by the Rice Miller or the licensed dealer, as the case may be, before being so offered, so as to bring it in conformity with such specifications.

7. *Delivery of Levy rice.*—(1) The rice required to be sold to the Government under Clauses 3 and 4 shall be delivered by the Rice Miller or the licensed dealer, as the case may be, to the Purchase Officer in such lots, manner, place and time as he may direct.

(2) The Purchase Officer shall give a receipt to him specifying the quantity and variety of rice delivered by him and the date of taking delivery thereof.

(3) The Purchase Officer shall on taking delivery of rice make payment at the rate calculated on the basis of the procurement price for the quantity and the variety of rice so delivered after analysis subject to quality cuts, if any, as allowed in Schedule IV.

(4) (i) Three samples of rice shall be taken jointly after inspection of rice by representatives of State Government and Food Corporation of India in the presence of rice millers/licensed dealers or their authorised agent.

(ii) Out of the above referred three samples,—

(a) One sealed sample will be handed over to the Rice Miller/Licensed dealer or his authorised agent.

(b) The second sealed sample will be kept in District laboratory of Food Corporation of India/State Government, as the case may be, will be analysed jointly by the representatives of the Government and Food Corporation of India in case of any dispute/or for sample checking by the officials of State headquarters or officers of regional office of Food Corporation of India/State headquarters, as the case may be.

(c) The third sample will be analysed in the Food Corporation of India/State Government laboratory, as the case may be, established at delivery point jointly by technical officials of Food Corporation of India and the Government. If the same is not tested on the day of delivery of the consignment, it will be sealed and tested on the next day positively.

(iii) After analysis of the third sample, final results of such sample will be recorded jointly in the analysis chit specified by the Director. After completing the analysis procedure, 'Acceptance Note' in the form specified by the Director and issued by the purchase officer to the rice millers or rice dealers, as the case may be, within twenty four hours of the analysis.

(iv) Mode of checking by supervisory staff :—

(a) In the case of checking of accepted stocks by the supervisory staff of the Government, Central Government or Food Corporation of India, samples of such checked stocks shall be taken and sealed by the representatives of the Government, Central

Government, or the Food Corporation of India, as the case may be. These samples will be tested at the Government Headquarter Laboratory/Food Corporation of India Laboratory/any laboratory authorised by the Central Government.

(b) The second sample of the accepted stocks retained by the accepting agency shall be subject to super inspections to be undertaken by the officers of the Government, or Central Government, or Food Corporation of India in the headquarter laboratory of the State Food and Supplies Department at Shimla or the authorised laboratory of Food Corporation of India any authorised laboratory of Central Government.

(v) In case it is found during subsequent checks by the Food Corporation of India/Government/Central Government that the quality of rice stocks accepted jointly by the Food Corporation of India/Government is below prescribed specifications, action shall be taken against Government officials concerned as in case of Food Corporation of India staff.

(5) The price payable for the stocks of rice shall be determined on the basis of the result of the analysis which shall be communicated to the Rice Miller or the licensed dealer, as the case may be, after imposing quality cuts, if any, as allowed in schedule IV.

(6) If, within a week of the receipt of the result of the analysis, the Rice Miller or the licensed dealer or his authorized agent, as the case may be, disputes the correctness of the results, he may prefer an appeal against the said rejection to the Director or an Officer duly authorized by him in this behalf, not below the rank of District Food and Supplies Controller, who shall arrange to get the other sample, which was retained in the Government Laboratory, re-analysed in the presence of the representatives of the Government and the agency authorized to take delivery and the Rice Miller or licensed dealer or his authorized agent, as the case may be. In case the Rice Miller or the licensed dealer or his authorized agent, as the case may be, prefers an appeal, the provisionally accepted stocks would be allowed to be kept in the premises of the Food Corporation. However, the Rice Miller or the licensed dealer or his authorized agent as the case may be, shall bear the storage and other prescribed expensed in case his appeal is rejected.

(7) The result of the second analysis referred to in sub-clause (6) shall be binding on both the parties and the price payable for the stock of rice shall finally be determined on the basis of that result. The Purchase Officer shall on taking delivery of rice, make payment at the rate calculated on the basis of the procurement price for the quantity and the variety of rice delivered subject to quality cuts imposed on the basis of analysis as provided in sub-clause (6).

(8) In the case of delivery of levy rice at a place other than the mill premises or the business premises of the Rice Miller or the licensed dealer, as the case may be, he shall be entitled to the payment of other charges incidental to such delivery including transportation charges as regulated in accordance with the instructions issued by the Government from time to time.

(9) The rice required to be delivered to the Government under clause 3 and 4 shall be packed only in brand new gunny bags. The price of gunny bags shall be fixed quarterly and payable to the suppliers in addition to the cost of the net weight of grains, the schedule of quarter and the date from which quarter begins shall be such as may be specified by the Government of India.

(10) (a) The rice required to be sold to the Government under clause 3 and 4 shall be delivered by all the Rice Millers irrespective of Rice milling capacity as the case may be, by licensed dealer who gets the rice milled from a Rice Miller, irrespective of rice milling capacity, in double line machine stitched new B. T. will gunny bags to the purchase Officer or to such other person as may be authorized by him to take delivery on his behalf at such time and place as the purchase officer or the person so authorised may direct

(b) The Rice Millers and the licensed dealers shall be paid compensation for double line machine stitching and for the price of the new B.T. will gunny bags at such rates as may be notified by the Government from time to time.

(c) The rice required to be sold to the Government under clauses 3 and 4 of this Order, shall be delivered hundred percent in fifty kilograms packings.

8. *Restriction on Sale and Movement of rice.*—(1) No Rice Miller or the licensed dealer shall sell or agree to sell or otherwise dispose of the rice recovered by milling or otherwise acquired by him (even other than the levy rice specified in clause 3 or clause 4), as the case may be, in excess of levy share of rice recovered by milling or otherwise acquired by him.

(2) Every Rice Miller or licensed dealer shall send intimation in writing to the Inspector Food and Supplies of the area concern with a copy to the District Food & Supplies Controller in the form set out in schedule-V of the movement of rice from the premises of the rice mill or godown declared in the licence at any time before such movement or within eight hours thereafter.

(3) The Rice Miller/licensed dealer shall dispose of the levy free rice, only after issue of the release certificate issued by the Enforcement Officer of the area concerned on furnishing of the original receipt issued by the Purchase Officer about the delivery of levy rice.

(4) The onus of proof to show that the rice is levy free shall rest upon the person who either owns, possessed or moves through any mode of conveyance, rice in excess of the permissible quantity of less than four quintals.

9. *Powers to require rice mills to mill paddy.*—The Government or the Director may direct any rice miller to convert any stocks of paddy into rice held by the Government or its agencies or the Food Corporation on such terms and conditions as may be prescribed by the Government or the Director.

Provided that the quantity of paddy to be given to rice mill by the Government or its agencies or the Food Corporation during one kharif season beginning from 1st October shall not exceed 40% of the annual licensed milling capacity of the sheller to be calculated on the average of 300 working days.

10. *Restriction on custom milling by the rice mills.*—(1) No Rice Miller shall undertake custom milling of paddy except under and in accordance with a permit in the form set out in schedule VI issued by the concerned District Food and Supplies Controller;

Provided that no permit is required for undertaking custom milling of small quantity of paddy brought by cultivator from the stocks of paddy grown by him or an agricultural labour out of the stock of paddy earned by him as wages or the paddy held in stock by the Government or its agencies.

(2) Every rice miller shall maintain separate accounts in respect of custom milling undertaken by him.

11. *Levy on Food Corporation.*—No levy shall be charged from the Food Corporation on such stocks of rice as they shall deliver in the Central pool.

12. *Duty to comply with order or direction.*—Every Rice Miller or licensed dealer to whom an order or direction is issued under powers conferred on any authorities by or under this order shall comply with such order or directions.

13. *Power to exempt.*—With the prior concurrence of the Central Government, the Government may, in the public interest, exempt any area from any of the provisions of this Order.

14. *Powers of entry search and seizure.*—(1) The Enforcement Officer may, with a view to securing compliance with this order or to satisfying himself that this order has been complied with—

- (a) inspect or cause to be inspected any book or document or account as well as any stocks of rice or paddy belonging to or under the control of miller or dealer;
- (b) require any person to give any information in his possession with respect to any undertaking or business for production or manufacture of rice or for purchase, sale or storage for sale of rice or paddy;
- (c) stop and search forthwith with such aid or assistance as may be necessary any person or vehicle or vessel or animal used or suspected of being used for delivery of rice or paddy from the mill or other premises of the miller or dealer where, he has reason to believe, rice or paddy is stored;
- (d) enter and search, with such aid or assistance as may be necessary, such mill or other premises;
- (e) seize and remove, with such aid or assistance as may be necessary;
 - (i) Any stock of rice or paddy in respect of which or part of which he has reason to believe, a contravention of any of the provisions of this order has been or is about to be committed;
 - (ii) any package, covering or receptacle in which such stock of rice or paddy is found; or
 - (iii) The animal, vehicle, vessel or other conveyance used in carrying such stocks of rice or paddy if he has reason to believe that such animal, vehicle, vessel or other conveyance is liable to be forfeited under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 and thereafter, without unreasonable delay, make a report to the Collector under the provisions of section 6A of the said Act;
- (f) seize and remove any books of accounts or documents which, in his opinion, shall be useful for, or relevant to any proceedings in respect of any contravention of this order and allow the person from whose custody such books of accounts or documents are seized to make copies thereof or to take extracts therefrom in his presence.

(2) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizures under this clause.

15. *Maintenance of accounts.*—(1) Every Rice Miller and Licensed dealer shall maintain a register indicating the quantity of paddy miller and rice delivered under levy during the day in the form given in Schedule VII.

(2) He shall furnish a fortnightly return in the form set out in Schedule VIII containing an abstract of the above accounts for fortnightly periods ending on the 15th and the last day of every calendar month to the Enforcement Officer, exercising jurisdiction in the area so as to reach him within five days of the close of fortnight.

16. *Periodical verification of stocks with the millers/dealers.*—The Enforcement Officer shall periodically verify the rice or paddy stocks in the mill and send a report to the District Food and Supplies Controller.

(2) The Enforcement Officer shall, also periodically verify the stocks of rice paddy available with the dealer and send a report to the District Food & Supplies Controller in the form given in schedule VII.

17. *Appeal.*—(1) Any Rice Miller or licensed dealer or other persons aggrieved by the order of the Purchase Officer fixing the quantum of levy under clause 3 or clause 4 as the case may be, may appeal to the Director within 30 days from the date of service of such order.

(2) Director shall fix the date, time and place for hearing the appeal thus preferred to him and may from time to time adjourn the hearing and make or cause to be made such further enquiries as he may deem fit.

(3) In disposing of the appeal, the Director may confirm or amend the order appealed against to reduce or enhance the quantity of rice to be sold under the said order.

(4) Director shall communicate in writing the order passed in appeal by him to the appellant and also to the Purchase Officer concerned. Every order of the appellate authority on such appeal shall be final.

18. *Special provision for Basmati rice.*—(1) Every Rice Miller and licensed dealer shall maintain a register indicating the quantity of basmati paddy milled and basmati rice sold during the day in the form given in Schedule VII.

(2) He shall furnish a fortnightly return in the form set out in Schedule VIII containing an abstract of the above accounts for fortnightly periods ending on 15th and the last day of every calendar month to the Enforcement Officer exercising jurisdiction in the area so as to reach him within five days of the close of the fortnight.

(3) Every Rice Miller or licensed dealer shall send intimation in writing to the Inspector Food and Supplies of the area with a copy to the District Food & Supplies Controller of the District in the form set out in Schedule V of the movement of basmati rice from the premises of the rice mill or godown declared in the licence at least twenty four hours before such movements.

(4) Description of basmati paddy and basmati rice are as mentioned in Schedule IX and IV respectively.

19. *Repeal and Savings.*—The Himachal Pradesh Rice Procurement Levy Order, 1974 is hereby repealed :

Provided that such repeal shall not—

- (a) affect the previous operation of the said Order of anything duly done or suffered thereunder ; or
- (b) affect any right, privilege obligation or liability acquired or accrued or incurred under the said Order ; or
- (c) affect any penalty, forfeiture or punishment incurred in respect of any offence committed against the said order ; or
- (d) affect any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid ;

and any such investigation, legal proceeding or remedy instituted continued or enforced and any other penalty, forfeiture or punishment imposed as if the said order had not been repealed.

SCHEDULE-I
[See Clause 2 (h)]

CLASSIFICATION OF PADDY

Serial No.	Classification	Description
1	2	3
1.	Common (I. R. 8 Jaya) Rice	Paddy which will produce of short bold and long bold varieties description contained in Schedule-II.
2.	Grade 'A' (Begami HM-95 PR-107(Sita) (Parmal, Ratna, RP 5-3 (Sona) PR-106, Basmati (Terricot) Pusa-150, Pusa-33, Punjab No. 1, HKR-120.	Paddy which will produce rice of medium slender variety of description contained in Schedule-II.

SCHEDULE-II
[See clause 2 (h)]

CLASSIFICATION OF RICE

Serial No.	Classification	Description
1	2	3
1.	Common short bold and long bold (IR-8, Jaya)	Length/breadth ratio below 2.5.
2.	Grade 'A' (Medium slender, Short slender and long slender) (Begami, HM-95 PR-107(Sita) (Parmal Ratna RP-5-3 (Sona) PR-106, Basmati (Terricot) Pusa-150 Pusa-33, Pb. No. 1 HKR-120.	Length/breadth ratio 2.5 and above.

SCHEDULE-III
[See clause 2 (j)]

PROCUREMENT PRICE OF RICE

Serial No.	Classification	Price per quintal Rawrice Par boiled
1	2	3
1.	Common (IR 8, Jaya).	
2.	Grade 'A' (Begmi HM 95 PR 107 (Sita), Ratna HP 5-3 (Sona) PR-106, Basmati (Terricot) Pusa-150, Pusa-33, Punjab No. 1. HKR-120.	As per determined by the Central Government from time to time.

Note.—(i) The above prices of rice are for net weight of naked grains inclusive of purchase tax, Mandi charges of paddy and depreciation of gunnybags used for packing paddy, but exclusive of cost of gunny bags and taxes, If any, after ex mill stage of rice.

SCHEDULE-IV

[See Clause 2 (j), 2 (0), 7 (3) & 5, 18 (4)]

UNIFORM SPECIFICATION FOR GRADE-A AND COMMON RICE

The rice shall be in sound merchantable condition, sweet, dry, clean, wholesome of good food value, uniform colour in and size of grains and free from moulds, weevils, obnoxious smell, admixture of unwholesome poisonous substances, argemone mexicana, redhyrus and satirus and kesari in any form or colouring agents and all impurities except to the extent in the schedule below. It shall also conform to Prevention of Food Adulteration on Act Standards.

SCHEDULE OF SPECIFICATIONS

Sl. No.	Constituents	Maximum Limits (%)	
		Grade 'A'	Common
1	2	3	4
1.	Broken including 1% small broken 'Raw Par boiled	25 16.0	25 16
2.	Frogein matter Raw/Parboiled	0.5	0.5
		"not more than 0.25% by weight shall be minimal matter and not more than 0.10% by weight shall be impurities of animal origin".	
3.	Damages/slightly damaged Par boiled	2.0 4.0	2.0 4.0
4.	Discoloured grains Raw/ Par boiled	3.0 5.0	3.0 5.0
5.	Chalky grains Raw	5.0	5.0
6.	Red grains Raw Par boiled	3.0 3.0	3.0 3.0
7.	Admixture of lower Clases Raw/Parboiled	10	—
8.	Dehusked grains Raw/Par boiled	12.0	12.0
9.	Moisture Content Raw/Par boild	14.0	14.0

Note.—Applicable to the specifications of Grade 'A' and Common varieties of Rice.

Note.—(1) The definition of the above constituents and (method of analysis are to be followed as given in Indian Standard 'Method of Analysis of Food grains' Nos. IS ; 4333 (Part-I) 1967 and IS ; 4333 (Part-II) 1967 and 'Terminology for Foodgrains IS ; 28-13-1970 as amended from time to time. Dehusked grains are rice karnels whole or broken which have more than 1/4th of the surface area of the kernal covered with the bran and determined as follows:—

Analysis Procedure.—(i) Take 5 grams of rice (sound head rice and broken in a petri Dish (80×70 MM). Dip the grains in about 20 ML of Metenil Bluesolution (0.05% by weight in distilled water) and allow to stand for about one minute. Decant the Metenil Bule Solution. Give a swiri wash with about 20 ML of dilute

hydrochloric acid (5% solution by volume in distilled water). Give a swirl wash with water and pur about 20 ML. Metanil yellow Solution (0.05% by weight in distilled water) on the blue stained grains and allow to stand for about one minute. Decant the effluent and wash with fresh water twice. Keep the stained grains under fresh water and count the dehusked grains. Count the total number of grains. in 5 gm. of sample under analysis. Three broken are counted as one whole grain.

CALCULATIONS

$$= \frac{N \times 100}{W}$$

Percentage of Dehusked grains

W

Where Number of dehusked grains in 5 grams of sample.

and

W—Total grains in 5 grams of sample.

(2) The method of sampling is to be followed as given in Bureau of Indian Standard "Method of Sampling of Cereals and Pulses" No. IS-2814-1964 as amended from time to time.

(3) Brokens less than 1/8 of the size of full Kernels will be treated as organic foreign matter within the overall limit for brokens, the small brokens of the size of 1/8th to 1/4th shall not exceed 1%. For determination of the size of the brokens average length of the principal class of rice should be taken in to account.

(4) Inorganic foreign matter shall not exceed 0.25% in any lot, if it is more, the stocks should be cleaned and brought within the limit. Kernels or pieces of kernels having mud sticking on the surface of rice shall be treated as Inorganic foreign matter.

(5) In case of rice prepared by pressure parboiling technique, it will be ensured that correct process of parboiling is adopted i.e. pressure applied the time for which pressure is applied, proper gelatinisation, aeration and drying before milling are adequate so that the colour and cooking time of parboiled rice are good and free from encrystallisation of the grains.

SCHEDULE V

[See clauses 8 (2) and 18 (3)]

Intimation of rice movement from the rice mill or licensed godowns.

Date.....

1. Name and address of the rice miller/dealer.
2. Foodgrains licence No.

- (i) The quantity of paddy milled.
- (ii) The quantity of rice produce.
- (iii) The quantity of rice delivered to Government.
- (iv) The share of levy free rice.
- (v) The quantity of levy rice already moved out of the premises of the rice mill or the godowns declared in the licence.
- (vi) Balance of levy free rice in the stock.

3. Quantity involved in movement.
4. Destination.

5. Consignor.
6. Consignee (full address).
7. Manner of movement (Road/Rail).
8. Date and time of movement.

Signature of the licensee (Rice miller/dealer)

To

The Inspector, Food and Supplies/District Inspector Food and Supplies.
CC; District Food and Supplies Controller.

SCHEDULE-VI

(See Clause 10 (1))

FORM OF PREMIT FOR UNDERTAKING CUSTOM MILLING OF PADDY ON PRIVATE ACCOUNT

No.

Shri/Mrs.....(Rice Mill) Licence No.....is hereby permitted to undertake custom milling of paddy on private account subject to the following conditions:—

- (1) He shall maintain separately a true and correct account of paddy received for custom milling indicating the name and complete address of the person(s) from whom such paddy is received, the Foodgrain Dealer Licence No. (If the customer is a dealer) and the quantity of paddy milled and rice manufactured therefrom.
- (2) He shall furnish an abstract of the account mentioned in condition (1) above to the enforcement officer every month.
- (3) This permission is liable for cancellation in the event of violation of any provision of the Himachal Pradesh Rice Procurement (Levy) Order 2001 and/or Himachal Pradesh Trade Articles (Licensing and Control) Order, 1981.

SCHEDULE-VII

[See clauses 15 (1), 16 (2) and 18 (1)]

REGISTER TO BE MAINTAINED BY EACH RICE-MILLER/DEALER

(Figures in qtls.)

1. Date
2. Opening stock of paddy (Variety wise)
3. Receipt
4. Total
5. Quantity milled
6. Balance
7. Opening Stock of rice
8. Rice produced
9. Total
10. Agency/party to whom delivered/sold
11. Closing balance
12. Signature

SCHEDULE-VIII

[(See Clauses 16 (2) and 18 (2)]

Fortnight by Return to be submitted variety-wise by each Rice Miller/Dealer to the Enforcement Officer (Figures in quintals).

1. Name and address of the rice miller/dealer.
2. Fortnight ending.....
3. Opening stock of paddy including Basmati.
4. Receipt during the fortnight including Basmati.
5. Total paddy including Basmati in stock.
6. Quantity milled.
7. Balance paddy including Basmati.
8. Opening stock of rice including Basmati.
9. Rice including Basmati produced during the fortnight.
10. Total rice including Basmati in stock.
11. Rice delivered to Government.
12. Rice disposed of/sold to private parties.
13. Quantity of Basmati rice sold.
14. Balance rice including Basmati.
15. Signature.

SCHEDULE IX

[See clause 18 (4)]

CLASSIFICATION OF BASAMATI, PADDY AND BASMATI RICE

Sl. No.	Classification 2	Description 3
1	Basmati Paddy	Paddy which will produce rice of long slender varieties with natural aroma of description contained in serial No. 2 below.
2	Basmati Rice	Length/breadth ration 3.83 having natural aroma.

By order,

Sd/-

F. C.-cum-Secretary.